

मध्य प्रदेश MADHYA PRADESH

11श्री।।

B 195396

tot

वयनामाआराजी ग्राम- बॉगरोंद पंठह०नं०=18/2,राठ निठवृत-उतह० विजयपुर भणा पु०००- एल क्रड- 653001, विक्रीत रकवा 0.418 हैक्टर सिचित.

ৰা না হু দুল্य = 6,23,000 = হত । তা হী ব – 6,20,000 = হত

मुद्रांकशाु०= 31150=ल्रू

पंचा ० गू०= 6230=रू०

उपकर- 778=रू०

अधिक- 2=रू०

योग= 38,160=रूपये.

🎙 अडतीस हजार एक सौ साठ रूपये 🎗

नाम विकेता-

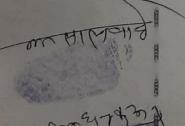
हरिज्ञान, क्यून, हरिवल पुत्रगणा अर्जुन, नारायणी लालवाई पुत्रीयाँ अर्जुन, धनकुअर वेवा अर्जुन, सभी उमक्र0- 52, क्यूने 38, 40,36, 74,वर्ष. जाति-रावत धन्धा- कास्त्त० नि० ग्राम-बॉगरौद. परगना विजयपुर. जिला- श्योपुर १म०५०१ पह०क०-एलएस क्यू-1167485, एलएस क्यू-1308444, एमपी०1/003/195087 एलएस क्यू-1308329.

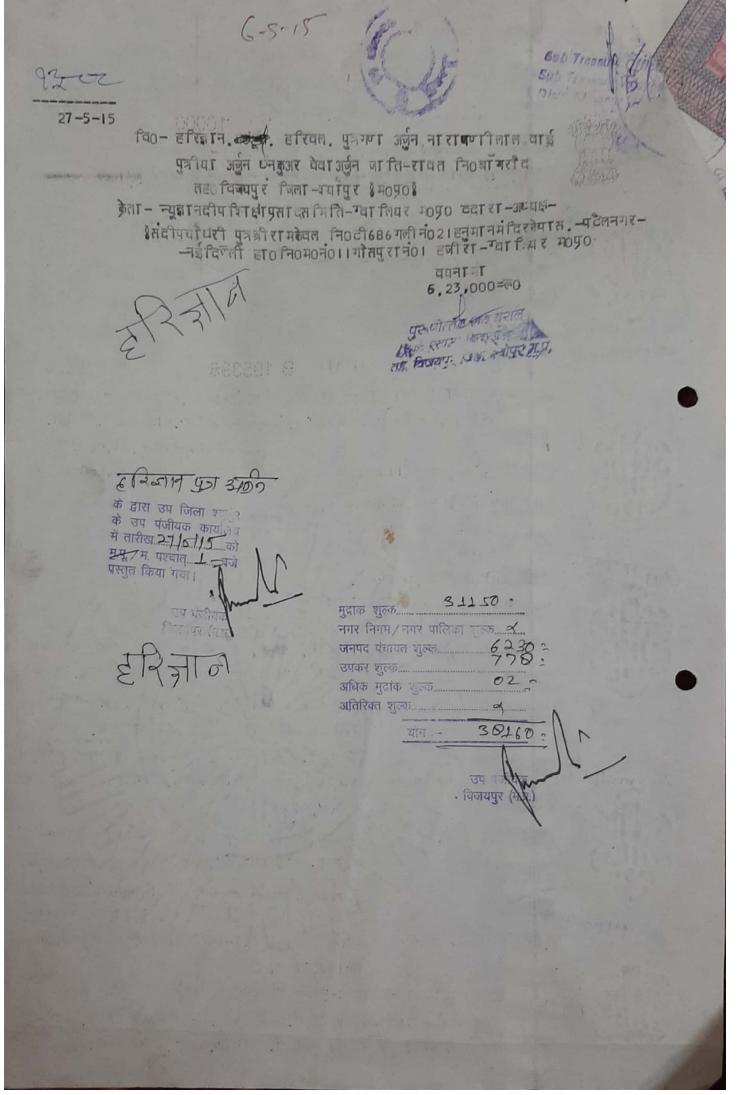
न्यूबानदीय शिक्षा प्रसार समिति-ग्वालियर. म०प० व्दारा:- "अध्यक्ष" संदीपचौधरी पुत्र श्री रामकेवल, उम-36वर्ष, नि०टी-686गलीनं021 हनुमानमंदिर केपास वलजीतनगर श्रेपटैलनगर श्रेनई दिल्ली, हाठ नि०मकानंनं011-गौसपुरानं01-हजीरा-ग्वालियर श्रम०प० श्रेआकृ०-9245 04137087 है,

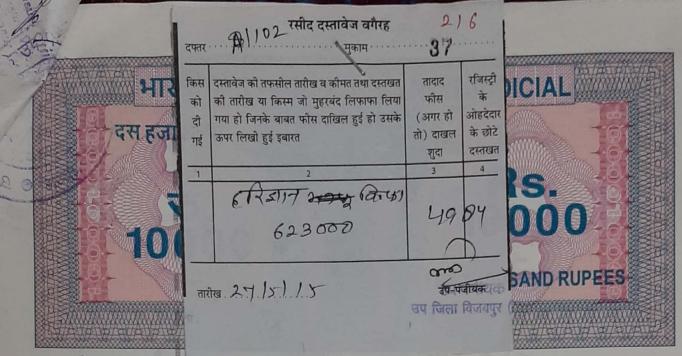
विकृति भूमि का विवरण:-ग़ाम- बॉगरीद के खाति की भूमि सर्वे -क्रमांक- 1623/4 रकवा 0.523 हैक्टर.लगान 4=67 वैसे है. मे० है- हम विकृतागणा का हिस्सा 5/6 है. यानी0.435है.मे ते कुड्डिस :---2

MASS

नाम केता-







मध्य प्रदेश MADHYA PRADESH

1/2//

B 195397

- विक्रीत रक्वा 0.418 हैक्टर. लगान मु०फाँ० उन्रूपये. का विक्र स्वेच्छा पूर्वक किया जाताहै। उक्त भूमि भूदान बोर्ड सर्व शास0 पदंदे की ना हो कर सिचितहै. जो किसी कृषि विकास बैंक मे बंधक नहीं है. ना ही किसी न्यायालय से निष्ठोधाद्वा जारीहै. जो मुख्य सडक पर न हो कर दूर है. जिसमे कोई पेड आदि नहीं हैं।

चतुर सीमा:-

पूर्वमे- विकेशिता की भीम है। प विचम मे- कच्चा रास्ता स्थितहै । उत्तरमे- विकेता हरिज्ञान की भूमिहै। दिक्षणामे- धनपति का खोत है।

इस विक्य पत्र से धारा 165 म०५०म०रा०

संहिता के किसी प्रावधान का कोई उल्लंधन नहीं होता है।

प्र तिपलधन-

6,20,000=रू० हैं छै: लाखा बीस हजार रूपये हैं केता से पूर्व मे प्राप्त कर लिये है अब कुछ भी लेना शोष नही रहा है।

उपरोप्त खाते की उपरोप्त मूमि जिसका

विवरणा उपर अंकित किया गया है. के हम विक्रेता गणा भूमि स्वामी होकर मालिक व काविज हैं जो किकालत से पाक व साफ है।

剪0---- 3

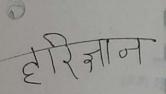
27-5-15 वि०- हरिकान. स्कून. हरिवल. पुलक्या अर्जुन नारावणीलाल वार्ध मुजीया अर्जुन धनकुअर वेदा अर्जुन जा ति-रावत निव्या गरौद ता विकायुरं जिला -वयापुर कुम्०प्रवर्ध केता - न्यूका नवीय रिष्धापुसा तस कि ति-च्या कियर २०५० च्या रा -अध्य -श्रीदी राजरी पुत्रिको राज्येवल निविधि 686 ग्ली गंव 21 वनुकान मेरिवर तेपारा -पटलनगर--नर्दे विष्यो हा व निवमवर्गव। गोसप रानंव। जारा -ग्या विवर म्वप्र 6,23,000=00 हिरिज्ञान, वीरवल पुत्र अग्र अर्जुन । नार १२१० त लालवारियुजीयो , क्यून , धनकुकर वना क्षात्र भाग रावत मिल भाम को गर्म (क्रिक्ट) प्रभामा विकामपुर स्वीकार करते हैं कि तथा कशित..... निक प्रजा विलेख एन निर्वार्यन किया गया था और प्रतिकत के हुरे आशिक रू. 6,20,000/ अग्रिक रू. 13 प्राप्त हो नवे हैं। उन्हें मेरी उपिक्ति में चुकाने कर हो और प्रतिफल दी वकाश रहन ए दः गई है जो पंजीयम के यह अन्य होती. D जमिंह प्रामिंह राजप्रकि गाप्तिमा मार्ग हिलीर अना क 2) देशराम विशार पुत्र धनराम विशार प्रमापन कि हिल्ली की जाँच पूर्वीवत निष्पादक / अभिकर्ता की शिनाख्त के विषय में की गई। आज तारीख 27 | 5 | 15 आज तारीख.... उप पंजीय विजयपुर (म.5



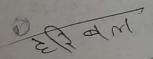
मध्य प्रदेश MADHYA PRADESH

1/3//

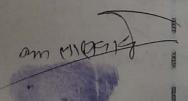
B 195398







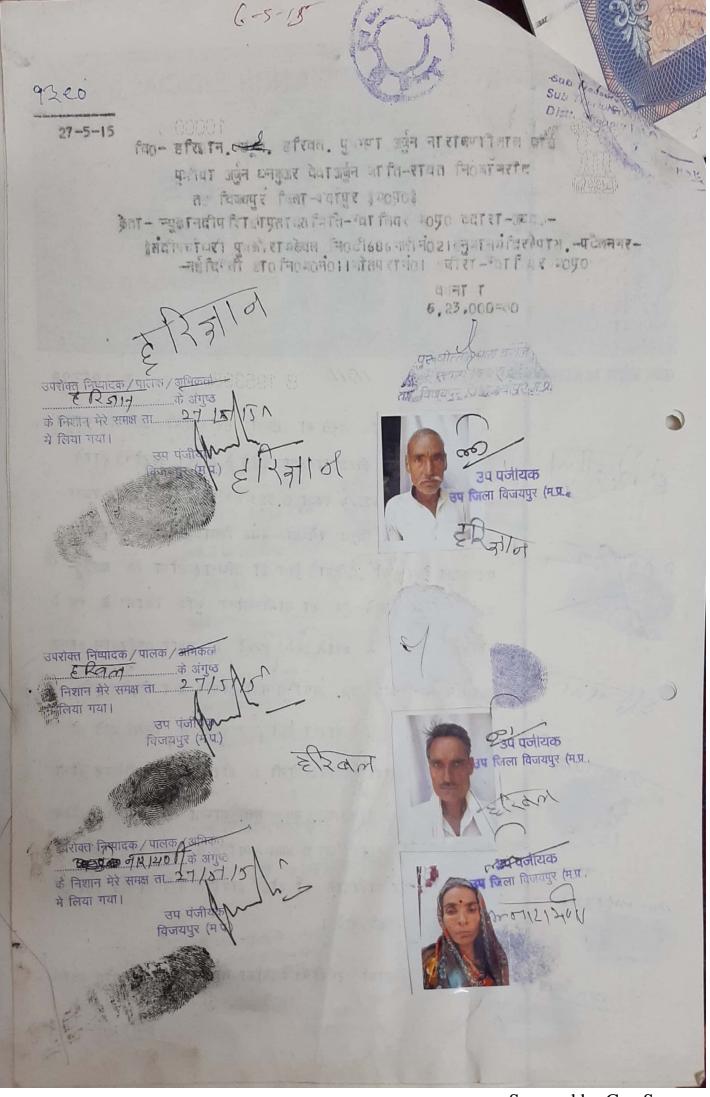




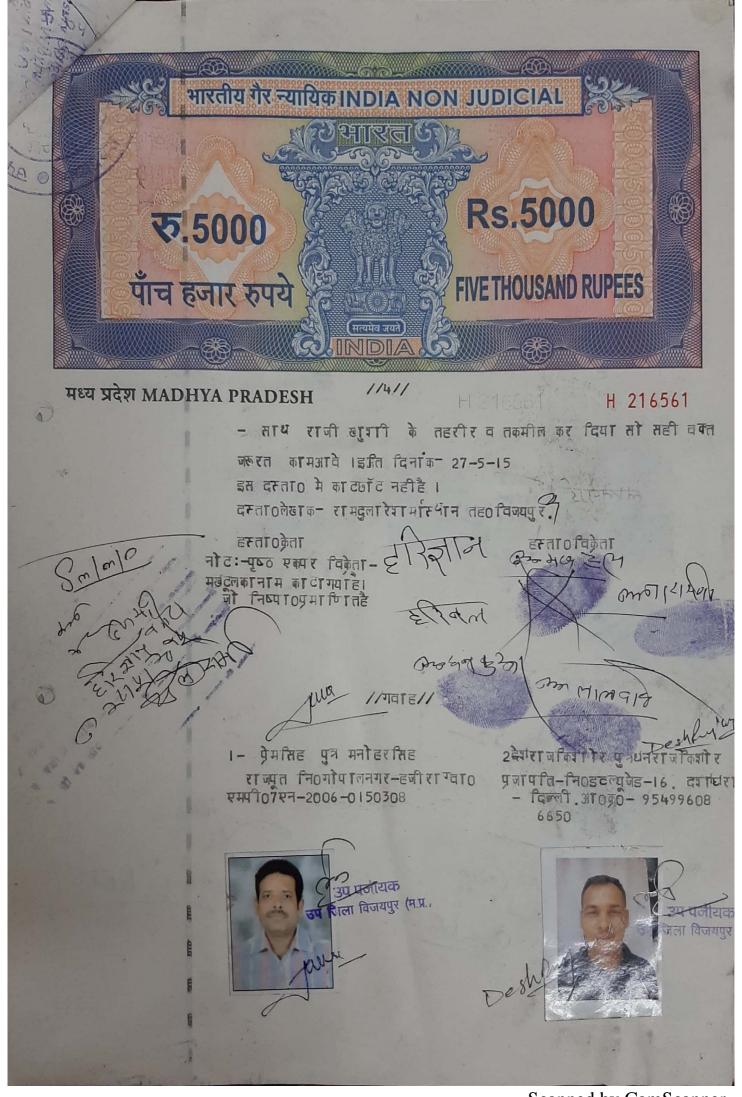
- जिसका इन्तकाल करने का हमकी हर किस्मी अधिकार प्राप्त है. हमको रूपयो की आवश्यकता होने के कारण उपरोक्त छाते की भूमि सर्वेक् 0 - 1623/4 रकवा 0.523 है व उर मे से विक्रीत रकवा 0.418 है पटर. का विक्रय स्वेच्छा पूर्वक किया जाता है। तथा मौके पर कटला कृता को देदिया है केता को अधिकार होगा कि वह - वजाय हमारे अपने नाम का नामान्तरणा भूमि स्वामी के रूप मे शासकीय अभिलेख मे कराले इसमे हमको व हमारे वारिसान कायम मुकामान को कोई उज़. आप दित नहीं होगी। अगर विक्रीत भूमि किसी वैधानिक तृति के कारण केता के कटले से निकल जावे तो वह समस्त जिम्मेवारी हमारी होगी। और कृता को अधिकार होगा कि वह मुताविक प्रतिपल्ल मंत्र. मय. सूद. जाण्ता न्यायालय से वैधानिक रीति से हमारी चल च अयल सम्मिति से वसूल करले इसमे - हमको व हमारे वारिसान को कोई आप दित नहीं होगी। अगर हो तो वह वात्तल समझी जावे।

लिहाजा उपरोपत वयनामा वाद दुरस्ती व होत हवात -

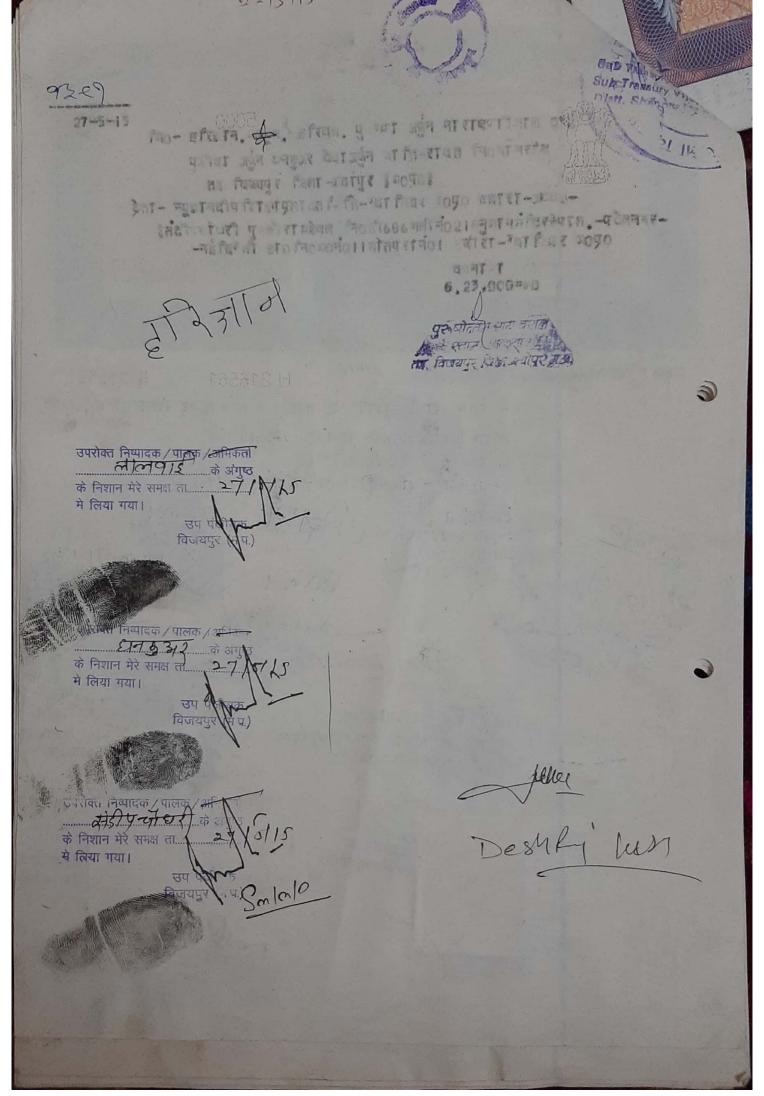
क्रमगा:---- 4



Scanned by CamScanner



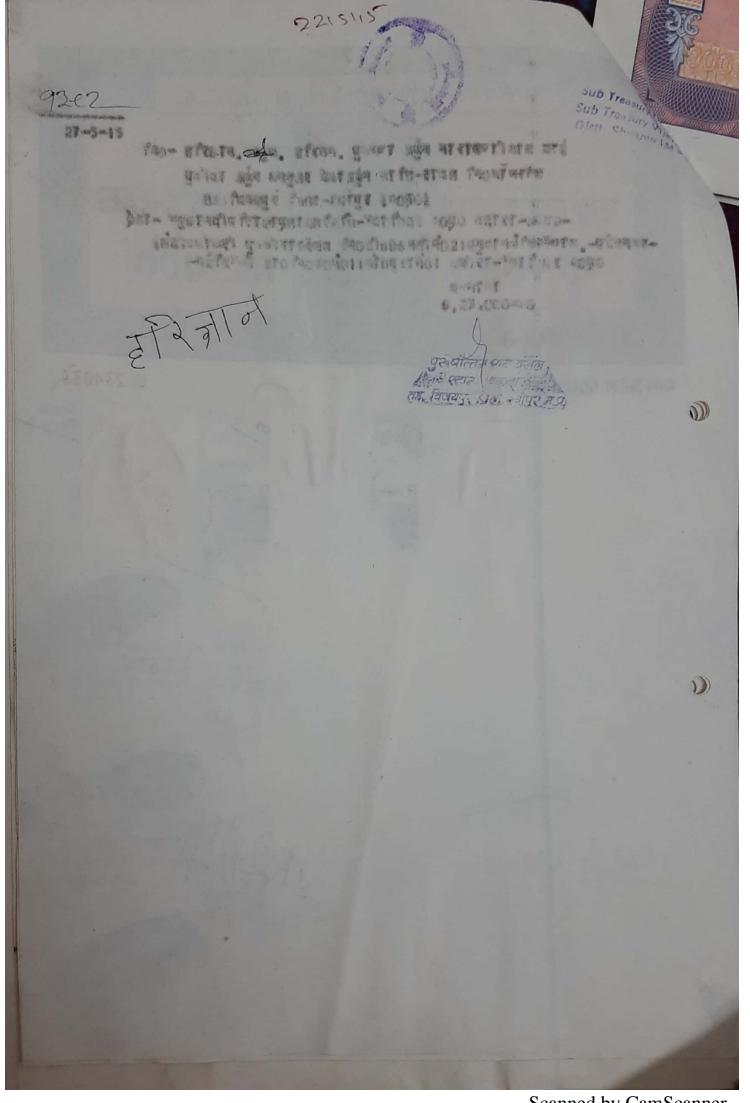
Scanned by CamScanner



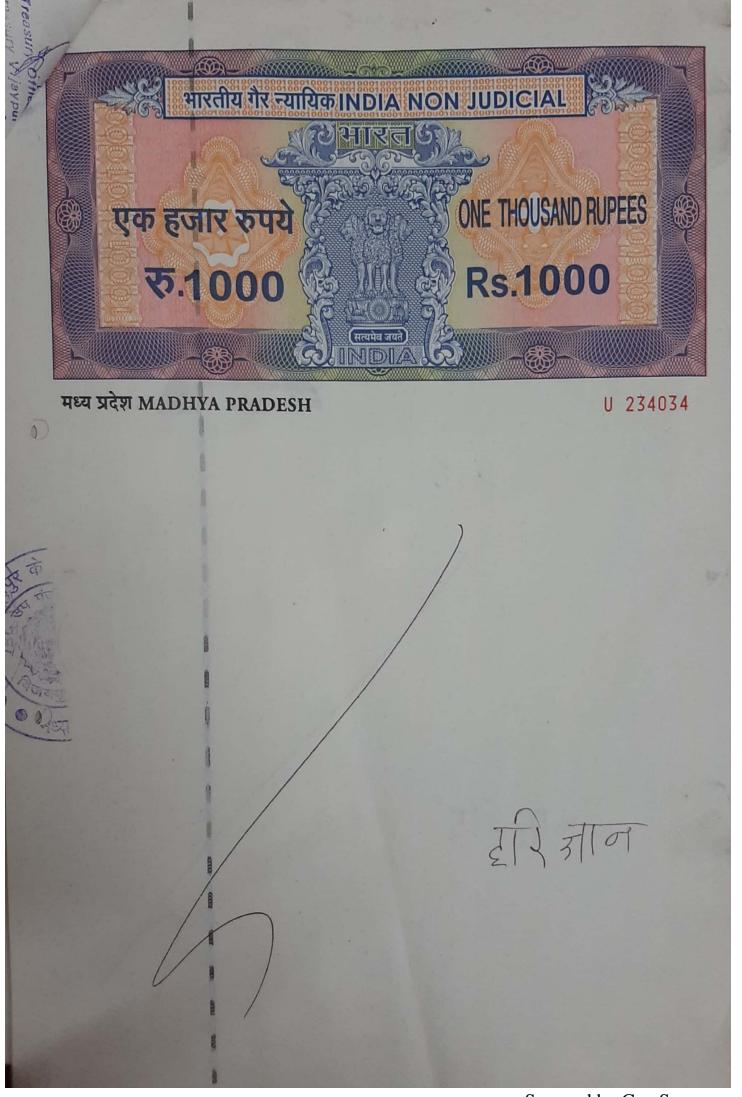
Scanned by CamScanner



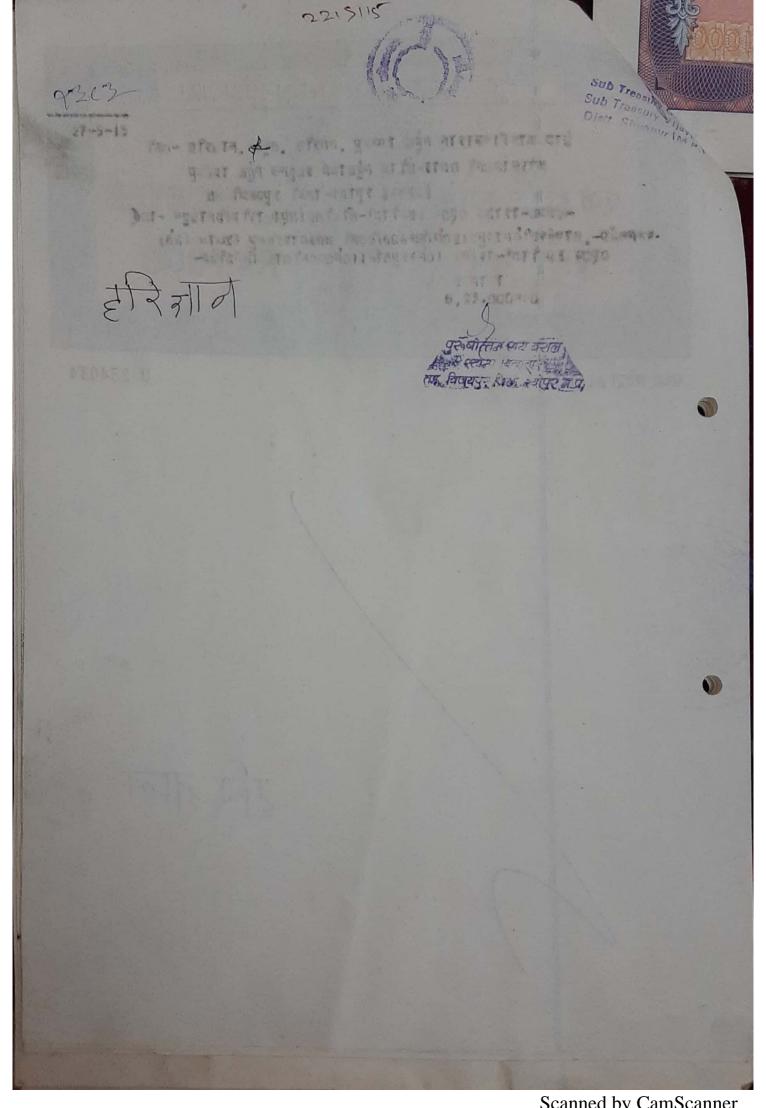
Scanned by CamScanner



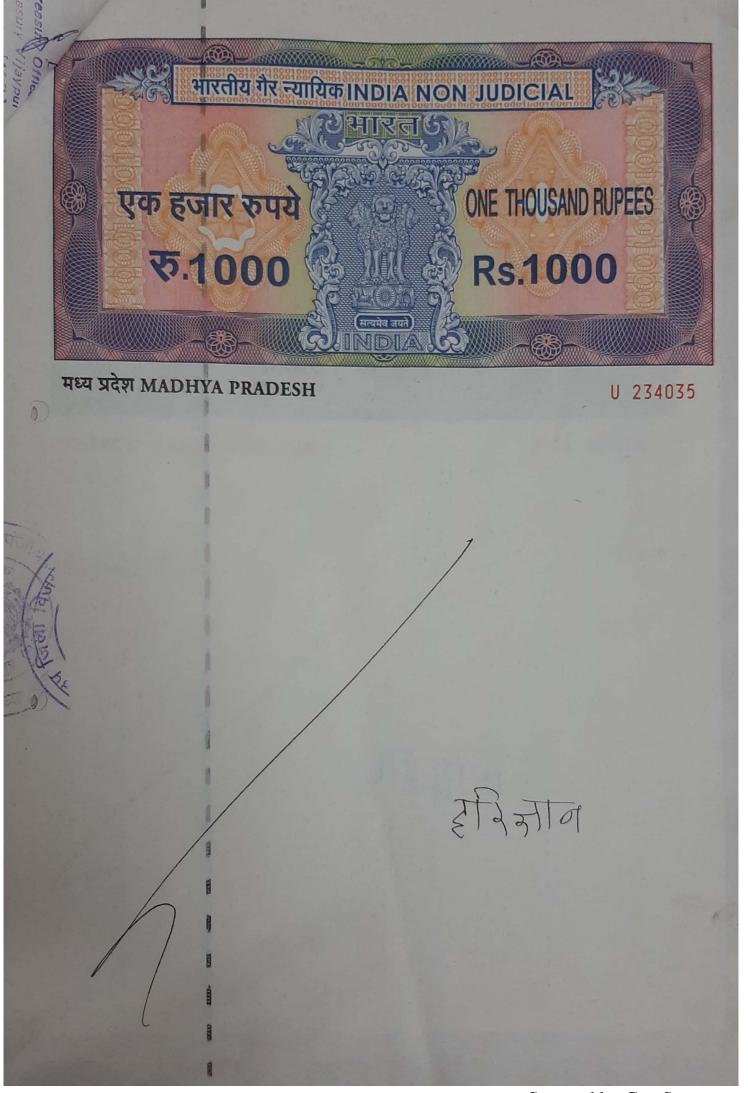
Scanned by CamScanner



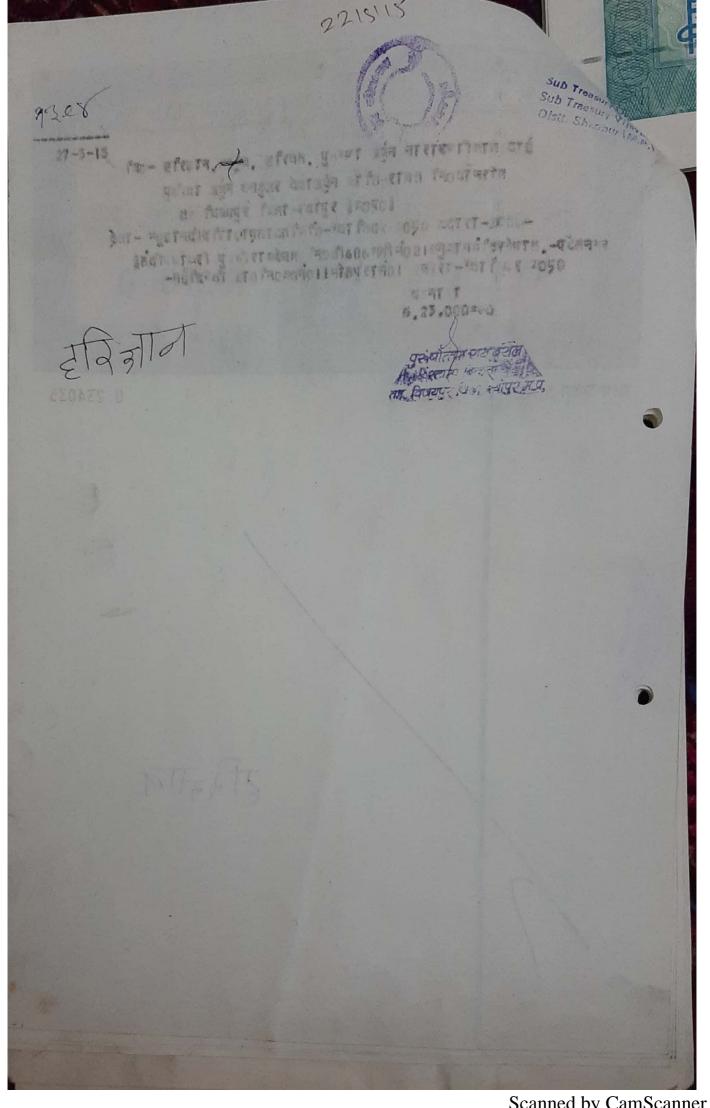
Scanned by CamScanner



Scanned by CamScanner

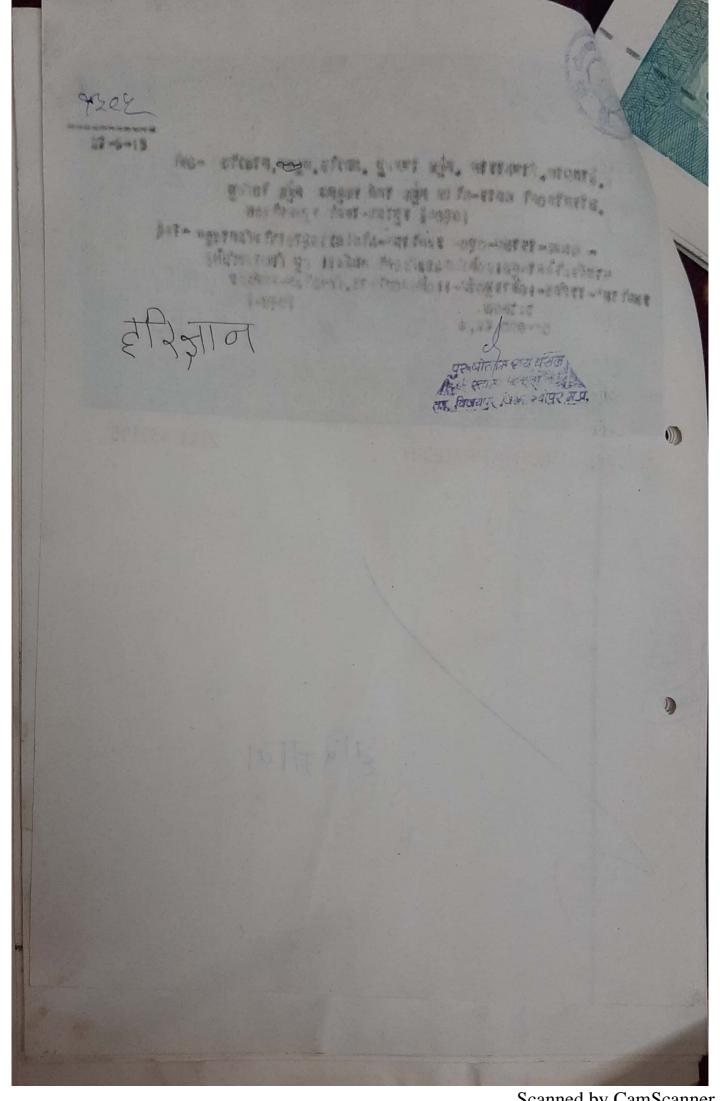


Scanned by CamScanner

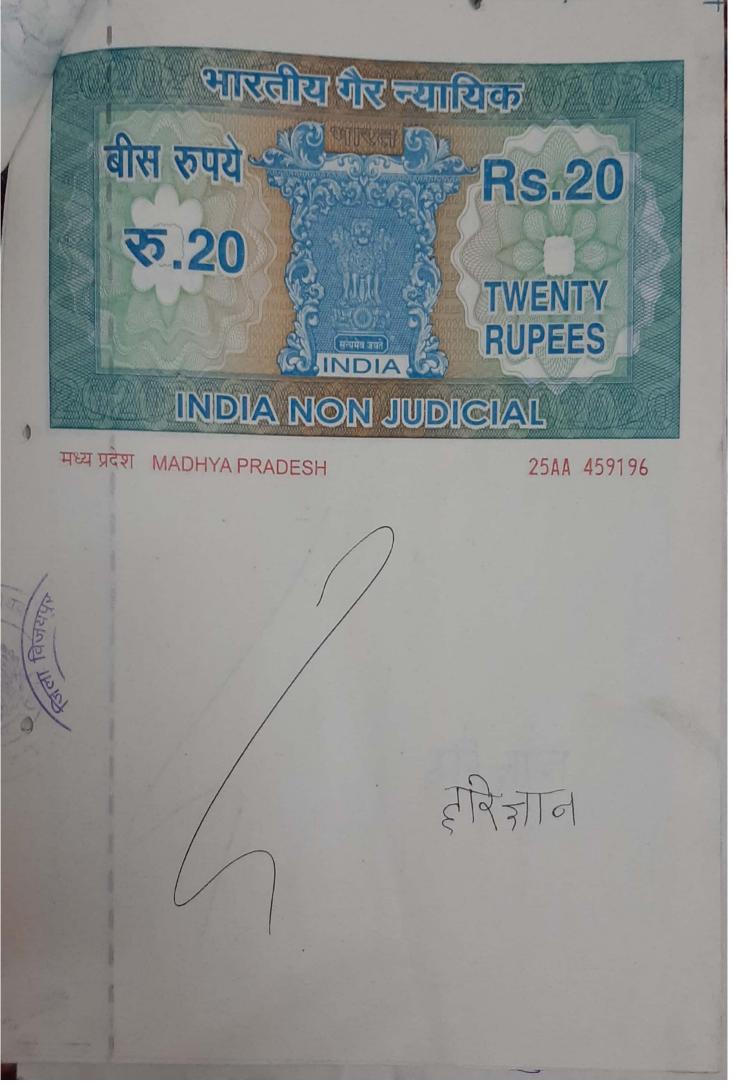


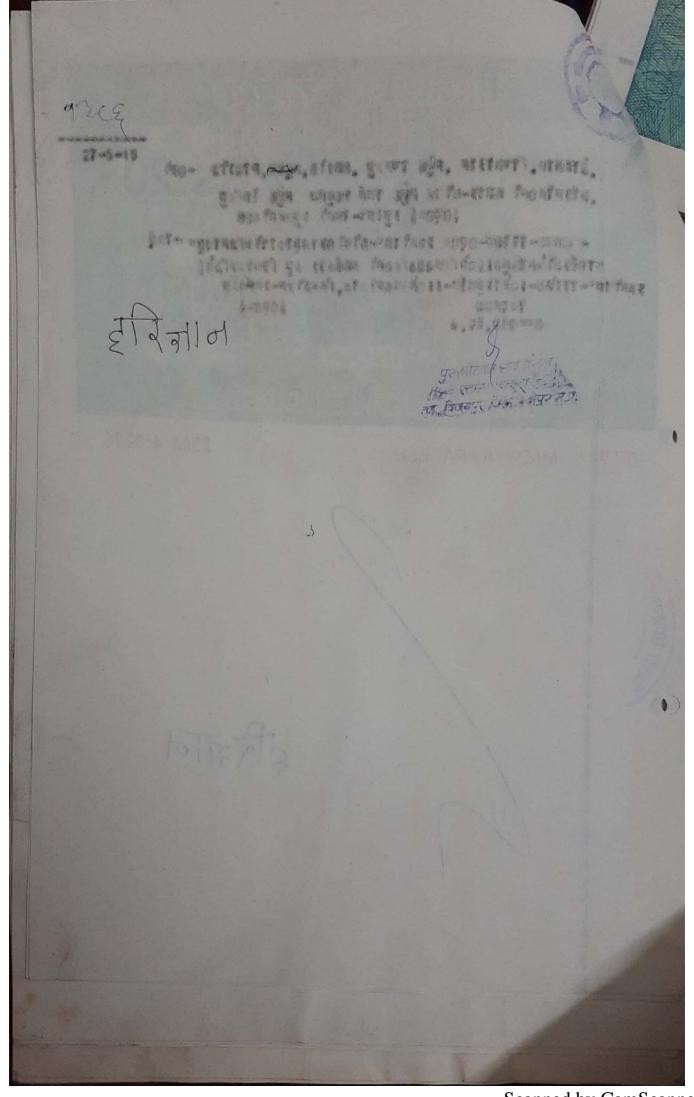
Scanned by CamScanner



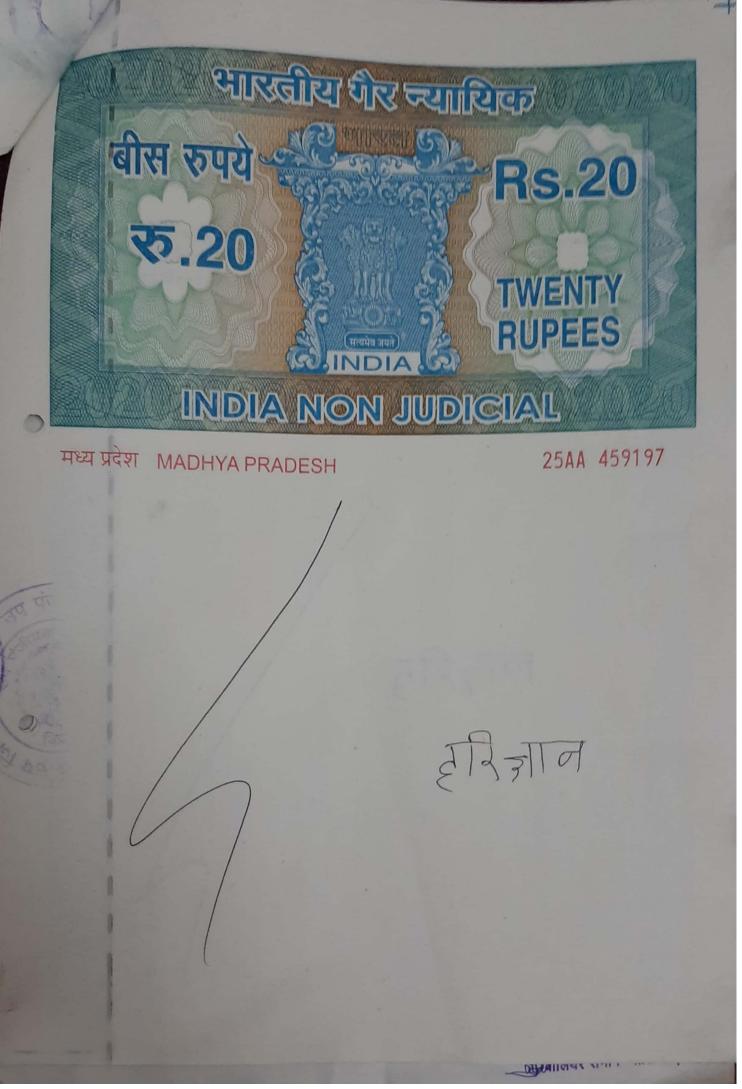


Scanned by CamScanner

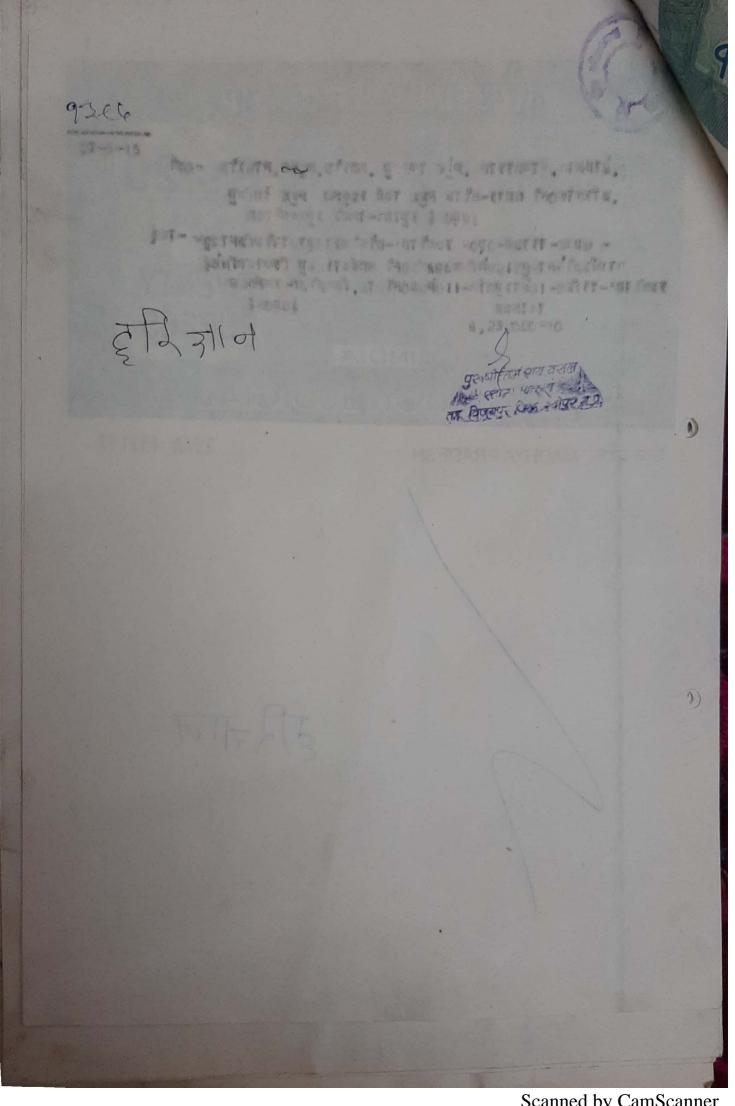




Scanned by CamScanner



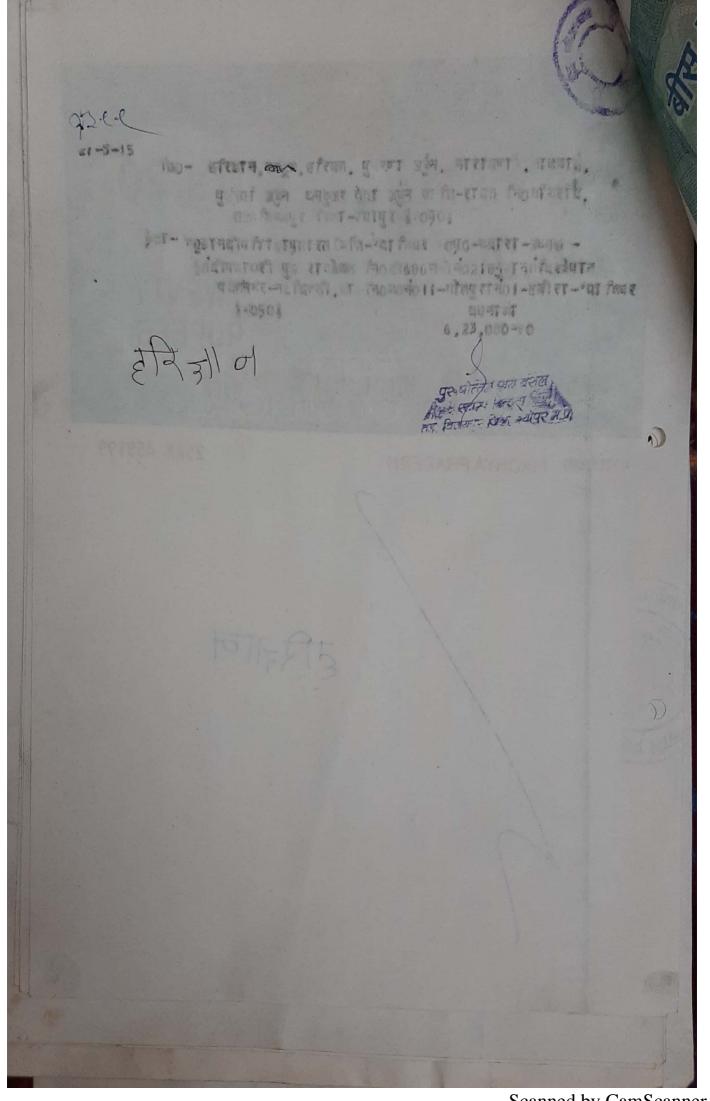
Scanned by CamScanner



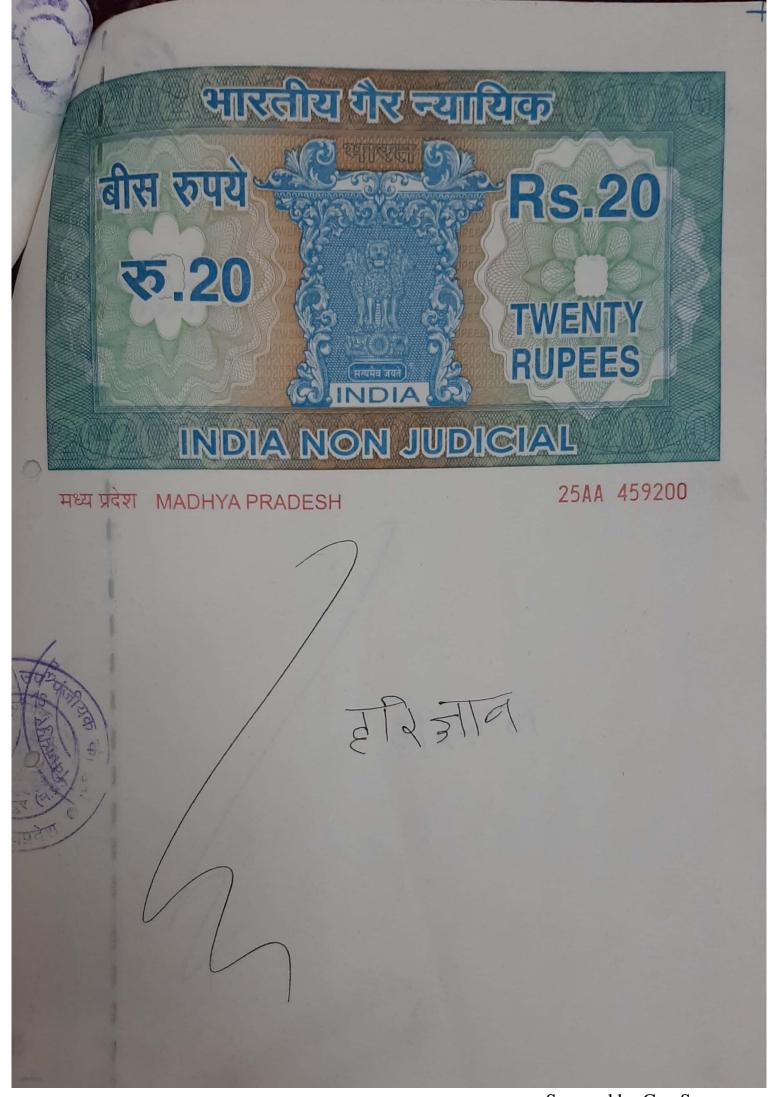
Scanned by CamScanner

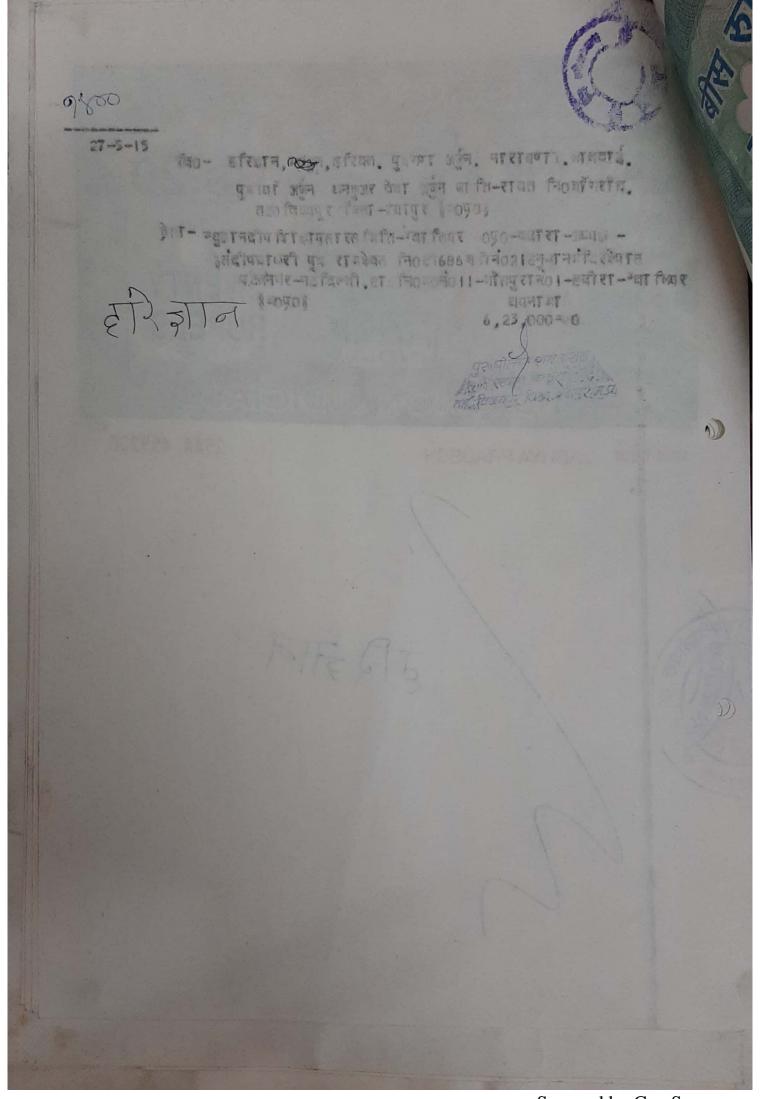


Scanned by CamScanner



Scanned by CamScanner

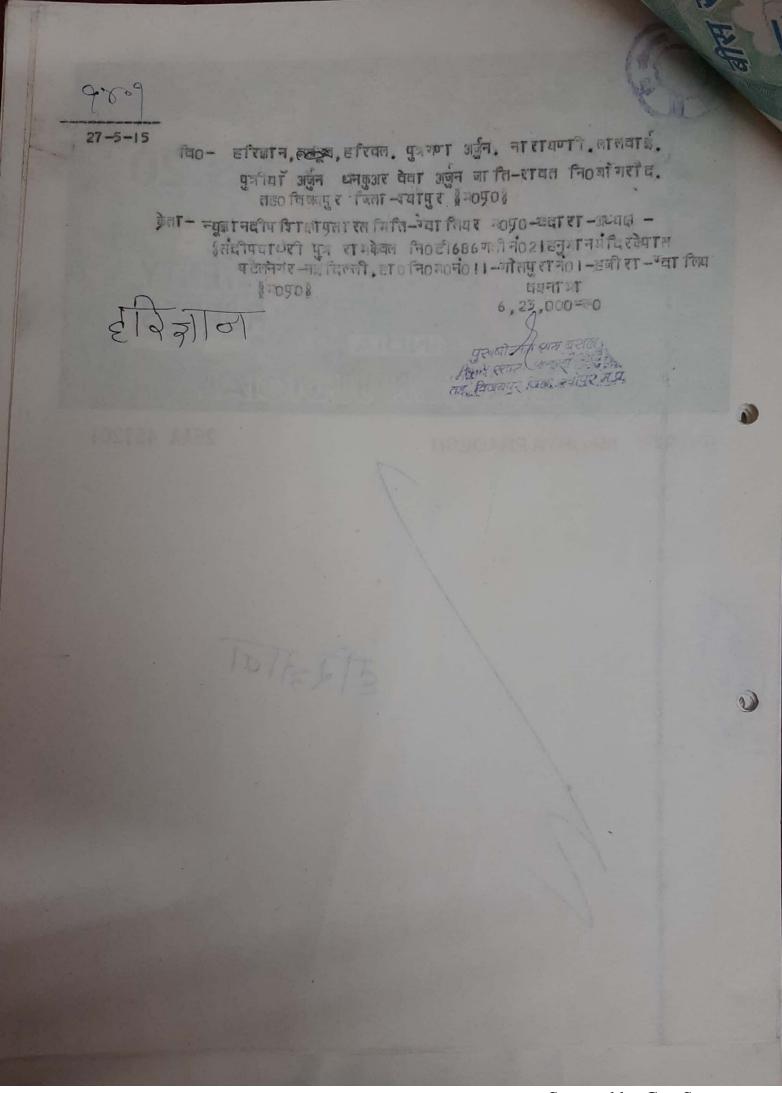


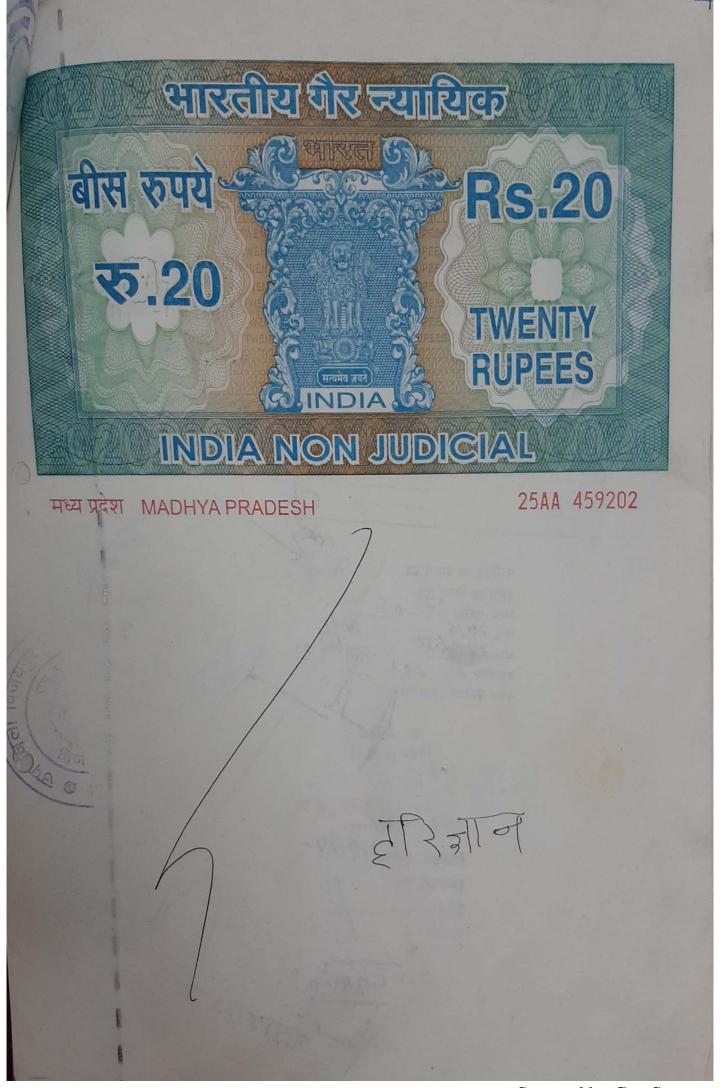


Scanned by CamScanner

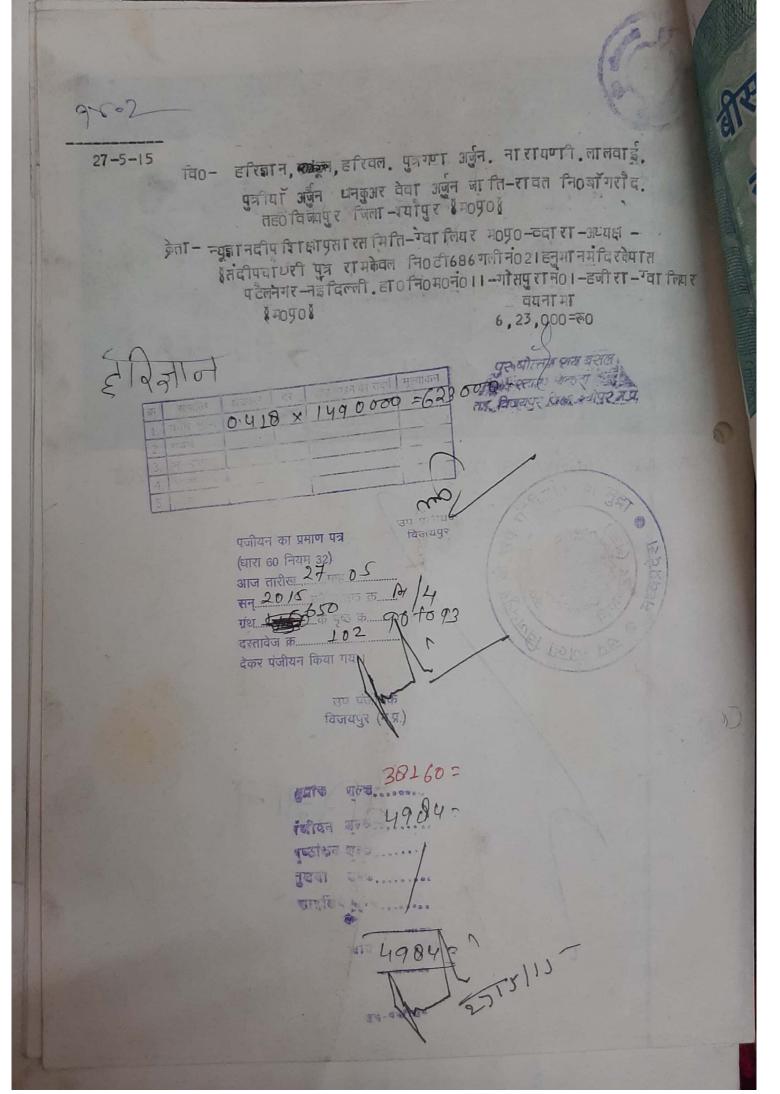


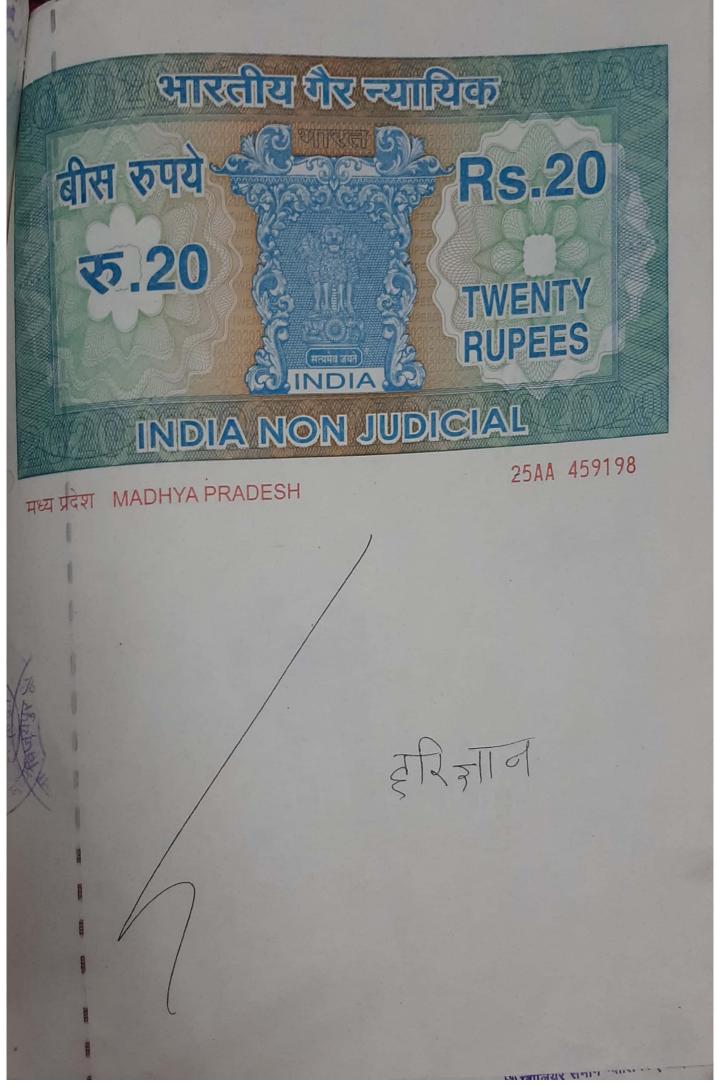
Scanned by CamScanner



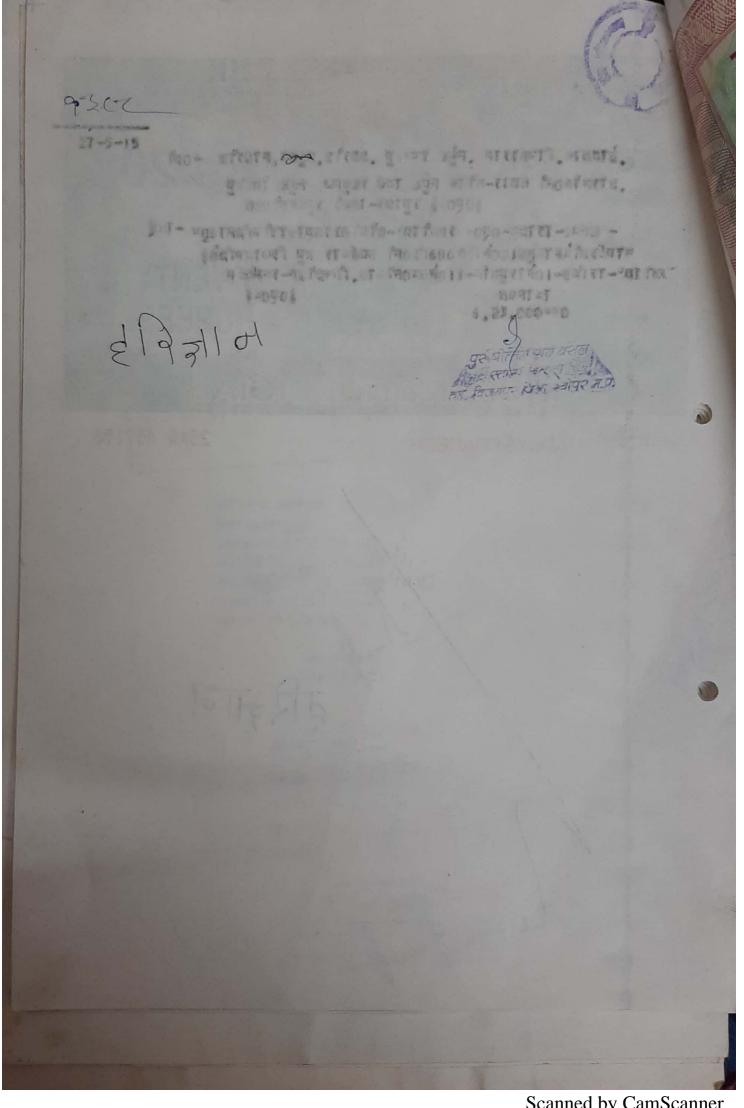


Scanned by CamScanner





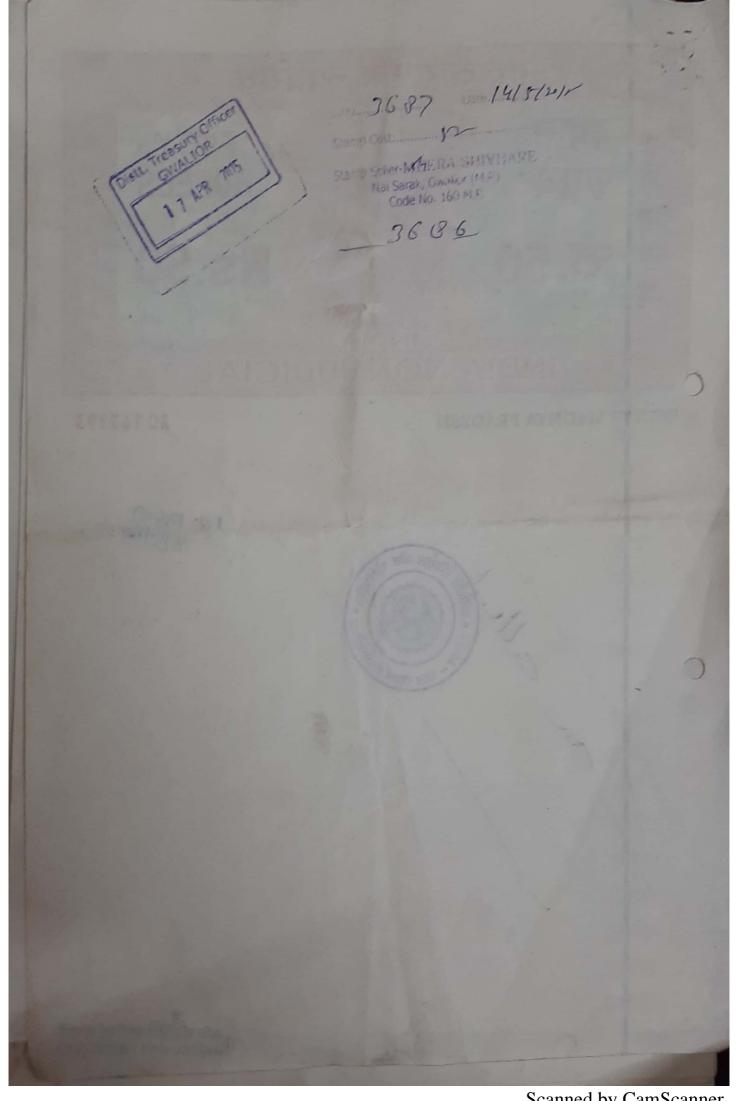
Scanned by CamScanner



Scanned by CamScanner



Scanned by CamScanner



Scanned by CamScanner